अध्याय १०

कोरोना महामारी एवं शिक्षा जगत

श्रीमती नूतन दुबे
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय), भिलाई मैत्री महाविद्यालय, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)

प्रस्तावना

कोविड–19 के नाम से जानने वाले इस वायरस ने पूरे विश्व में व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर दिया। इसका पूरा नाम कोरोना वायरस है जो चीन से शुरू होने वाले इस वायरस ने करोड़ों लोगों की जान ले ली। शिक्षा जगत में अनेक परिस्थितियों का सामन करना पड़ा। शिक्षकों और छात्रों व पूरी शिक्षक शिक्षण व्यवस्था मे बड़ी चुनौतियाँ सामने आ गई कि स्कूल कॉलेज बंद होने पर भी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था की आने वाले व्यक्ति को अन्य व्यक्ति के संपर्क से दूर रखा जाता है और उसका ईलाज करवाया जाता है।

कोरोना वायरसः–

कोरोना वायरस एक भयंकर संक्रमण है जो कि एक–दूसरो के संपर्क में आने से फैलता है। यह वायरस साल 2019 में चीन देश से शुरू हुआ था। चीन में सक्रमित पहला केस 8 नवंबर को सामने आया और चीन समेत यह संक्रमण पूरे विश्व में फैल गया। कोरोना वायरस से संबंधित तथा वर्ष 2019 में इसकी उत्पत्ति होने के कारण इस वायरस को संक्षिप्त नाम कोविड–19 रखा गया। पहले इसे चीनी वायरस का भी नाम दिया गया। लेकिन WHO के अनुसार इसका नाम कोविड–19 रखा गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायरस का नाम किसी भी देश के नाम से नहीं रखा जाना चाहिए।

खांसना, छीकना, सर्दी, बुखार, गंध व स्वाद का आभास न होना कोविड–19 के लक्षणों में से है यदि व्यक्ति को सांस लेने में भी परेशानी है तो वह कोरोना की जॉच करवाना आवश्यक है। यदि जांच में पॉजिटिव आने पर उसे किया जाता है। ताकि उसके संपर्क में अन्य व्यक्ति न आये। और अन्य व्यक्ति पर संपर्क से वायरस न फैले।

कोरोना वायरस और शिक्षा जगत

कोविड–19 की महामारी ने शैक्षिक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्तर

समय–समय पर स्थिति को देखते हुए लॉकडाउन किया गया जिससे स्कूल, कॉलेज को भी पूर्णता बंद किया गया और ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था की गई और छात्रों को शिक्षा प्रदान किया गया। ऑनलाइन क्लास में भी बहुत शिक्षक और छात्रों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा नेटवर्क की समस्या और जिसके पास एंडरॉयड फोन नही है वे छात्र कैसे ऑनलाइन क्लास कर सकते है और कोरोना महामारी की वजह से आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण एंडरॉइड फोन बच्चों के दिला पाना भी एक समस्या है जिस बच्चों के पास एंडरॉइड फोन था पर गॉव में रहने वाले बच्चों को नेटवर्क समस्या के कारण बच्चे ऑनलाइन क्लास में जुड़ नहीं पाते थे। शिक्षा व्यवस्था के सामने शिक्षकों के लिए ऑनलाइन क्लास होना बड़ी चुनौती थी पर शिक्षकों के द्वारा बच्चों को शिक्षा देने के लिए बहुत ही लगन के साथ जितने हो सके बच्चों को ऑनलाइन क्लास को जोड़कर बच्चों को उचित शिक्षा दी गई। और सरकार के दिशा–निर्देश के अनुसार परीक्षाओं को भी ऑनलाइन किया गया।

कोविड–19 के कारण विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को निरस्त किया गया। इस महामारी के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को विभिन्न कठिनाईयों का सामना करना पड़ा न कोई वेंकसी आई और जो वेकेंसी आई थी उसका भी परीक्षाओं को निरस्त किया गया। ऐसे में बेरोजगार व्यक्ति बेरोजगार ही रह गया। इस कोरोना महामारी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित किया है। नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को भी आगे मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। भविष्य में शिक्षा प्रणाली को पुनः उचित स्तर पर लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने पड़ेगे। कोविड–19 के कारण उत्पन्न यह स्थिति विद्यार्थियों के मनोबल को तथा पढ़ाई हेतु उनके लगन को ठेस पहुँचा रही है। इस समय यह आवश्यकता है कि अभिभावक अपने बच्चों के घर पर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करें ताकि शिक्षा के प्रति उनकी रूचि में कमी ना आए। साथ ही विद्यार्थी दूरसंचार के माध्यम से अपने साथियों से आपस में पढ़ाई से संबंधित चर्चा करें।

कोरोना महामारी का शिक्षण–व्यवस्था पर प्रभाव

कोरोना महामारी का शिक्षण–व्यवस्था पर गहारा प्रभाव पड़ा है। स्कूल कॉलेजों के बंद होने पर बच्चों के पास सीखने के लिए जरूरी अवसर साधन या पहुँच नहीं थी। कोरोना महामारी के कारण दूरस्थ शिक्षा यानी ऑनलाईन शिक्षा के अनुसार कि सभी के पास इंटरनेट सेवा उपकरण उपलब्ध होंगे जिसकी मदद से विद्यार्थी ऑनलाईन पढ़ाई कर सकते है पर ऐसा नहीं है क्योंकि सभी के पास ऑनलाइन षिक्षा के लिए नेटवर्क या एंडरॉइड फोन, लैपटॉप या कम्प्यूटर उपलब्ध हो। क्योंकि महामारी के कारण आर्थिक स्थिति भी बिगड़ा हुआ था ऐसे में सुविधा उपलब्ध करवाना भी अभिभावक के लिए समस्या थी और जिसके पास साधन उपलब्ध था वे विद्यार्थी अलग अलग राज्यों, गॉवो के भी हो सकते है ऐसे में

Principal
Bhilai Maitri College
Risali Sector, Bhilai

छात्र जो लॉकडाउन के बाद अपने घर लौट गए, उनके पास इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण ऑनलाइन क्लास की सुविधा से वंचित रह गए।

नेशनल सैंपल सर्वे के शिक्षा से जुड़े 75वें चरण के आँकड़े बताते है कि देश में केवल 24 प्रतिशत घरों में ही इंटरनेट की सुविधा है इनमें से 42 फीसदी शहरी क्षेत्रों के केवल 15 प्रतिशत घरों में इंटरनेट की सुविधा है। ही देश के केवल 1 प्रतिशत घरों में कम्प्यूटर है। आज स्मार्टफोन, लैपटॉप, टीवी आदि को आपस में साझा करने के विकल्प भी आजमाए जा रहे है, लेकिन अगर एक भी छात्र ऑनलाइन शिक्षा में नहीं जुड़ पाता है तो वह शिक्षा से वंचित हो जायेग। ऑनलाइन शिक्षा के लंबी अवधि के समाधान के लिए राज्यों और केन्द सरकार को चाहिए कि वह सभी शिक्षण संस्थानों को अच्छी इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराएं। देश की 2.5 लाख ग्राम पंचायतों को इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराने वाली योजना भारत नेट 2011 से चल रही है लेकिन आखिरी छोर तक इंटरनेट की सेवा न पहुँच पाने से यह योजना भी अधर में ही लटकी होती है, और इसे प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए, तब ग्रामीण समुदायों के छात्रों अच्छी नेटवर्क सुविधा से जोड़ सकेगी और छात्रों को शिक्षा प्रदान की जा सकेगी।

उच्च शिक्षा के सभी फैकल्टी सदस्यों को उपलब्धि संसाधनों से भी काम चलाना होगा ताकि वे अपने सभी छात्रों से लगातार संपर्क में रहें और छात्रों को इस कोरोना काल में पढाई के लिए प्रेरित करते रहें। ये आपदा एक अवसर बन सकती है अगर हम उच्च शिक्षा देने के लिए नई परिकल्पनाओं पर काम कर सकें। शिक्षा को लेकर पारंपरिक सोच को हटाकर अध्ययन अध्यापन और समीक्षा के नए तरीके अपनाए हमेशा के लिए नहीं, परंतु इस कोरोना महामारी में ऐसा हो सकता है।

कोरोना वायरस के दौरान शिक्षा–प्रणाली में बदलावः–

भविष्य में शिक्षा–प्रणाली को पुनः उचित स्तर पर लानेके लिए महत्वपूर्ण कदम उठाना जरूरी है। कोविड–19 के कारण बच्चों के मनोबल तथा पढाई हेतु लगन को ठेस पहुँचा रही है इस समय आवयकता है कि अभिभावक बच्चों के मन पर पढने के लिए प्रेरित करें ताकि शिक्षा के प्रति उनकी रूचि रहें।

कोरोना वायरस के दौरान शिक्षा प्रणाली में जरूरी बदलाव की आवश्यकता है

बिजली की आपूर्ति

शिक्षकों और छात्रों के डिजिटल माध्यम से जुडना,

इंटरनेट कनेक्टिविटी बहुत जरूरी हैं,

जो छात्र कम आय वाले परिवार से है उन्हें दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम मे शामिल किया जाए।

डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्मो का पता लगाने की आवश्यकता है।

कोरोना महामारी के समय में शिक्षा जगत में राष्ट्रीय स्तर पर एडुकेट सुधार होना आवश्यक है जो वर्तमान भारतीय शिक्षा–प्रणाली में प्रौद्यागिकी का समावेश है। संकट के इस समय में शैक्षिक अभ्यास की आवश्यकता है। ऑनलाइन क्लास में हानि के साथ कुछ फायदे भी हुए है। क्लास अटेंड करने से लेकर एग्जाम देने तक हर काम ऑनलाइन करने से छोटे–छोटे बच्चे भी टेक्नालॉजी में आगे बढने लगे है। कोरोना महामारी के चलते शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है इस महामारी के समय सरकार के दिशा–निर्देश के अनुसार ऑनलाइन शिक्षा को शिक्षकों द्वारा लगन के साथ बच्चों को शिक्षा प्रदान किया गया। शिक्षक और छात्रों को ऑनलाइन क्लास के दौरान नेटवर्क और अनेक कठिनाईयों का सामना करके भी शिक्षा को सुचारू रूप से संचालित किया गया। शिक्षकों के द्वारा बच्चों के ऑनलाइन शिक्षा द्वारा प्रेरित भी किया गया।

संदर्भ ग्रंथ

1. राय एवं राय (2021), महामारी का शिक्षा व्यवस्था पर असर https;//www.prabhatkhabar.com
2. परवीन (2020), कोरोना महामारी और शिक्षा https;//www.amarujala.com
3. वाडिया लीना (2020), कोविड 19 के दौर में ऑनलाईन षिक्षा की जरूरत और चुनौतियाँ https;//www.orfonline.org

Principal
Bhilai Maitri College
Risali Sector, Bhilai